नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

नक्सलवाद (माओवाद) हमारे देश की सबसे गंभीर आंतरिक समस्या है. चीनी कम्युनिस्ट तानाशाह माओ ज़ेडोंग की विचारधारा को मानने वाले माओवादी आतंकियों ने देश को अस्थिर करने के लिए आंतरिक युद्ध छेड़ा हुआ है.

इन नक्सल आतंकियों के द्वारा निर्दोष ग्रामीणों की हत्या की जाती है, जिनमें अधिकांश जनजाति समाज से होते हैं. इन आतंकियों द्वारा भारतीय सुरक्षाबलों पर हमले किए जाते हैं, सार्वजनिक स्थानों को नष्ट कर दिया जाता है, विकास की योजनाओं को जन सामान्य तक नहीं पहुंचने दिया जाता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का भी विरोध किया जाता है.

यह इन्फोग्राफिक पोस्टर श्रृंखला लोकतंत्र विरोधी, विकास विरोधी और मानवता विरोधी नक्सल आतंकवाद के विषय पर है, जिसमें इसकी बुनियादी विचारधारा से लेकर इसकी कार्यशैली और संगठनात्मक ढांचे के अलावा कुछ तथ्यों एवं आंकड़ों के बारे में जानकारी दी गई है.

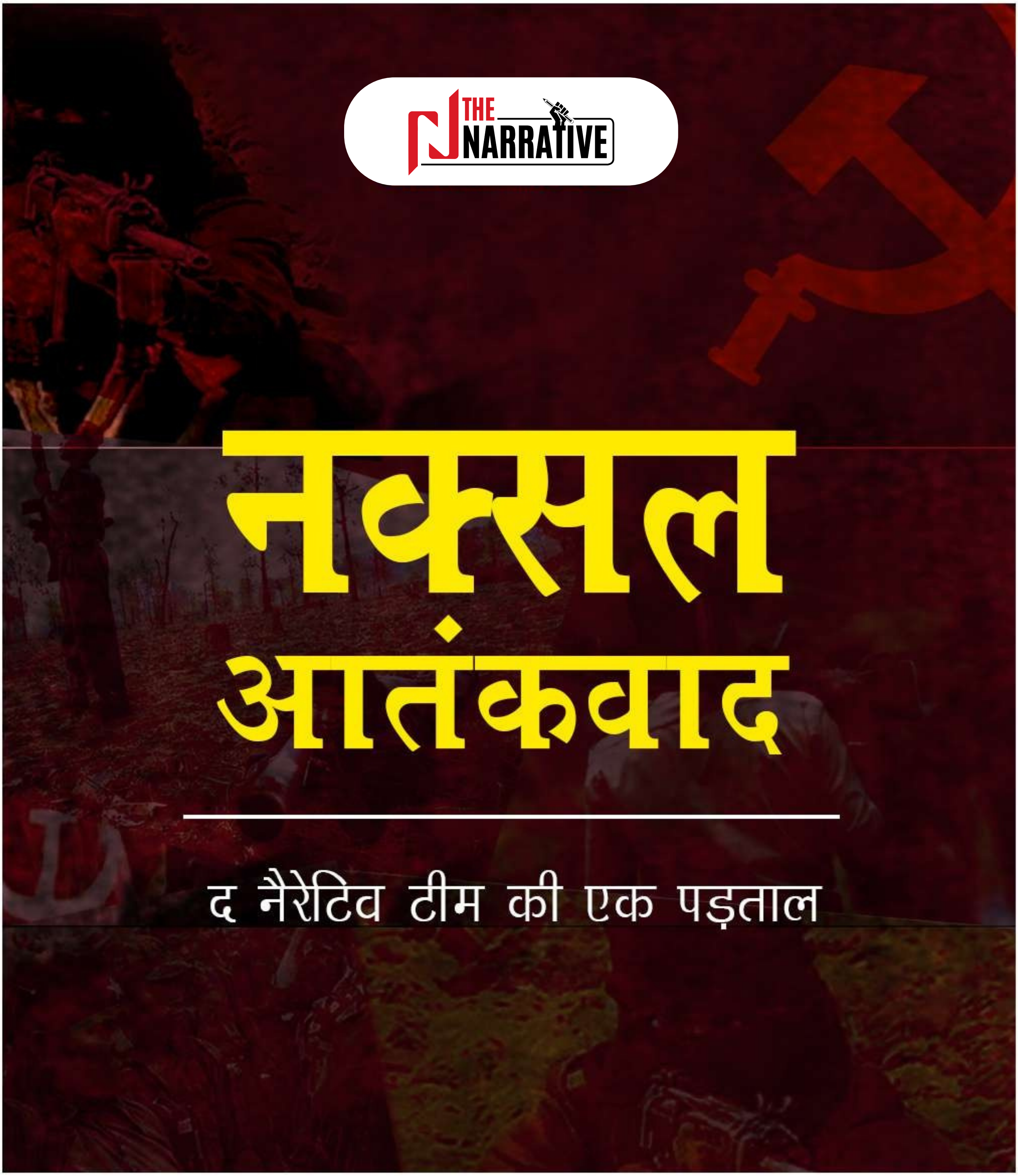
THE NARRATIVE
नक्सल आतंकवाद
द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

THE NARRATIVE

भाग - 1

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवाद (नक्सलवाद) क्या है ?

- माओवाद (नक्सलवाद) चीनी कम्युनिस्ट तानाशाह माओ-त्से-तुंग द्वारा विकसित किया गया साम्यवाद (वामपंथ) एक रूप है.
- यह सशस्त्र विद्रोह, जन संगठन तथा रणनीतिक गंठबंधनों के माध्यम से राज्य की सत्ता को हथियाने का एक सिद्धांत है.
- माओवादी आतंकी अपने सिद्धांत के अन्य संघटकों का प्रयोग कर राज्य संस्थाओं के विरुद्ध दुष्प्रचार और गलत सूचना के लिए करते हैं.
- माओ ने इस प्रक्रिया को प्रोटेक्टेड पीपल्स वार की संज्ञा दी थी, जहाँ सत्ता हथियाने के लिए 'मिलिट्री लाइन' पर जो दिया जाता है.

भाग - 2

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी विचारधारा का मुख्य सिद्धांत क्या है ?

- माओवादी विचारधारा का मुख्य सिद्धांत राज्य की सत्ता को हथियाने के लिए हिंसा एवं विद्रोह का एक शस्त्र के रूप में सहारा लेना है. माओवादी विचार के सिद्धांत के अनुसार शस्त्र धारण करना अपरक्राम्य है.
- माओवादी विचारधारा हिंसा को महिमामंडित करती है तथा अपने अधिपत्य वाले क्षेत्र में लोगों में आतंक फैलाने के लिए हिंसा के जघन्यतम रूपों के लिए पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी के कैडर को विशेष रूप से प्रशिक्षित भी किया जाता है.
- समाज एवं संस्थाओं के भीतर मौजूदा प्रणाली की कमियों के विषय के बारे में लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया जाता है. साथ ही निराकरण के साधन में रूप में केवल हिंसा में उपयोग किया जाता है. यही माओवाद का सिद्धांत है.

THE NARRATIVE

भाग - 3

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

भारत में सबसे बड़ा माओवादी आतंकी संगठन कौन सा है ?

- सीपीआई (माओवादी) अनेक गुटों से मिलकर बना है जिसमें मुख्य रूप से 2004 में सबसे बड़े माओवादी समूह सीपीआई (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) एवं पीपुल्स वार ग्रुप (PWG) तथा एमसीसीआई का विलय हुआ था.
- सीपीआई (माओवादी) तथा इसके सभी गुटों को विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत प्रतिबंधित आतंकी संगठन की सूची में शामिल किया गया है.
- सीपीआई माओवादी के कई फ्रंटल संगठन भी हैं.
  जैसे - रेडिकल यूथ लीग, रायथु कुली संगम, रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन, चेतना नाट्य मंच, आल इंडिया रेवोल्यूशनरी स्टूडेंट्स फेडरेशन, इत्यादि.

भाग - 4

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

प्रतिबंधित माओवादी आतंकी संगठन सीपीआई (माओवादी) का संगठनात्मक ढाँचा क्या है ?

- केंद्रीय स्तर पर संगठनात्मक ढाँचे में केंद्रीय समिति, पोलित ब्यूरो और सेंट्रल मिलिट्री कमीशन शामिल है.
- पोलित ब्यूरो के बाद क्रमशः रीज़नल ब्यूरो, स्टेट कमेटी/स्पेशल जोनल कमेटी, जिला कमेटी/डिविज़नल कमेटी/जोनल कमेटी और फिर सब-जिला/सब-जोनल कमेटी आते हैं.
- इसी तरह सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में क्रमशः स्पेशल जोनल/स्पेशल एरिया कमेटी/मिलिट्री कमीशन, रीज़नल मिलिट्री कमांड्स, जिला/डिविज़नल/जोनल कमांड्स और फिर सब-जिला/सब-जोनल कमांड्स आते है.
- इसके अलावा दोनों आयामों में निचले स्तर पर क्रमशः एरिया कमेटी, एरिया डिफेंस स्क्वाड, लोकल आर्गनाइजेशन स्क्वाड और ग्रामीण रक्षा स्क्वाड आते हैं.
- सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के अंतर्गत सीधे कमांड में है - केंद्रीय तकनीकी समिति, क्षेत्रीय कमान, विशेष कार्य दल, सैन्य सूचना, जंगका प्रकाशन एवं संपादकीय बोर्ड, केंद्रीय सैन्य अनुदेशक दल, संचार, टैक्टिकल काउंटर आफेंसिव कैम्पेन, पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी.

THE NARRATIVE

भाग - 5

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

भारत के कौन-कौन से राज्य माओवादी आतंकवाद से प्रभावित हैं ?

- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और केरल को माओवादी आतंकवाद से प्रभावी राज्य माना जाता है.
- सीपीआई (माओवादी) वर्तमान समय में दक्षिणी प्रान्तों में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के अलावा मध्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश के बालाघाट में अपना नया ठिकाना तलाश रहे हैं.
- पश्चिमी घाट को पूर्वी घाट से जोड़ने की योजना में भी माओवादी कार्य कर रहे हैं.

+91 97137-34000 @thenerrativeworld @thenerrativeworld

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA) की संरचना किस प्रकार है ?

पीएलजीए में तीन बल हैं

मुख्य बल	सहायक बल	बेस फोर्स
कंपनियां	विशेष गुरिल्ला दस्ते	पीपल्स मिलिशिया
प्लाटून	स्थानीय गुरिल्ला दस्ते	ग्राम रक्षक दल
विशेष कार्य दल	प्लाटून	आत्म रक्षक दल
आसूचना यूनिट	जिला/मंडल स्तरीय कार्यवाई बल	स्व रक्षा दस्ते

- अपने आधिपत्य वाले क्षेत्रों में माओवादी 'रिवाल्यूशनरी पीपल्स कमेटी' एवं सिविलियन प्रशासनिक मशीनरी की स्थापना करते हैं, जो एकदम प्राथमिक स्तर के कार्य करती है तथा सशस्त्र संगठनों को संभाग तंत्र संबंधी सहायता भी मुहैया कराती है.

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आम नागरिकों की हत्या क्यों करते हैं ?

- माओवादी आतंकी विभिन्न कारणों से आम नागरिकों की हत्या करते हैं। सर्वप्रथम यह उन लोगों की हत्या करते हैं जो इनके आधिपत्य वाले क्षेत्रों में इनकी विचारधारा को नहीं मानते। ऐसे लोगों को माओवादी पुलिस मुखबिर की संज्ञा देकर मार डालते हैं।

- इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सत्ता और शासन में रिक्तता पैदा करने के लिए माओवादी हत्या करते हैं। इसके बाद उक्त रिक्त स्थान को माओवादियों के द्वारा भरा जाता है। तथाकथित वर्ग शत्रुओं की हत्या भी माओवादियों के द्वारा की जाती है।

- इन सभी हत्याओं से कुछ ऐसी परिस्थितियां निर्मित होती है जिसके बाद माओवादियों का थोड़ा सा भी विरोध यदि किसी पीड़ित परिवार के द्वारा भी किया जाता है तो फिर उनकी भी हत्या कर दी जाती है।

- स्थानीय क्षेत्रों में ग्रामीणों के मन में भय बैठाने और उनसे अपनी मनमर्जी का कार्य करवाने के उद्देश्य से भी माओवादी आम नागरिकों की हत्या करते हैं।

भाग - 8

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आतंकी विद्यालयों एवं अन्य आर्थिक महत्व की अवसंरचनाओं पर हमला क्यों करते हैं ?

- माओवादी अपने गढ़ों में जनता को मुख्यधारा से अलग रखना चाहते हैं. विद्यालयों पर हमला इसलिए किया जाता है क्योंकि शिक्षा से स्थानीय लोगों में जागरूकता, जिज्ञासा और पूछताछ करने की भावना आती है.

- इसके अलावा बच्चों में आजीविका के वैकल्पिक साधनों के लिए कौशल विकास होता है। इस तरह के विकास को माओवादी अपने अस्तित्व तथा अपनी विचारधारा के लिए खतरों के रूप में देखते हैं.

- इसके अलावा माओवादी आतंकी स्थानीय निवासियों को मुख्यधारा से अलग रखने के लिए सड़कों तथा दूरसंचार नेटवर्क जैसी अवसंरचनाओं को भी नष्ट करते हैं.

भाग - 9

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

वर्ष 2010 से लेकर 2020 तक माओवादी आतंकियों द्वारा आर्थिक संरचनाओं पर हमले की कितनी घटनाएं हुई है ?

वर्ष-वार आँकड़ें निम्न प्रकार हैं :

वर्ष	हमले
2010	365
2011	293
2012	214
2013	169
2014	100
2015	127
2016	79
2017	75
2018	60
2019	64
2020	47

THE NARRATIVE

भाग- 10

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

वर्ष 2004 से लेकर 2020 तक माओवादी आतंकियों द्वारा कितने आम नागरिकों की हत्या की गई ?

वर्ष-मारे गए नागरिक आँकड़ें निम्न प्रकार हैं :

वर्ष	मारे गए नागरिक
2004	466
2005	524
2006	521
2007	460
2008	490
2009	591
2010	720
2011	469
2012	301
2013	282
2014	222
2015	171
2016	213
2017	188
2018	173
2019	150
2020	140

कुल 6,081 नागरिक माओवादी हिंसा के शिकार हुए हैं

THE NARRATIVE

भाग- 11

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आतंकी संगठन में बड़ी संख्या में महिला कैडर क्यों है ?

- छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में माओवादियों ने युवा बच्चों को शामिल करके बाल दस्तों का गठन किया है. इसका उद्देश्य युवा बच्चों का विचार परिवर्तन करना और उनमें माओवादी विचारधारा पैदा करना है.

- अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों से अलग होना नहीं चाहते किंतु माओवादी आतंकियों के द्वारा दिए जा रहे यातनाओं व खतरों को देखते हुए अनेक गरीब वनवासी माता-पिता छोटे बालिकाओं से अलग होना स्वीकार कर लेते हैं.

- माओवादियों की यही अमानवीय प्रक्रिया माओवादी आतंकी संगठन में युवा लड़कियों और महिलाओं की मौजूदगी का मुख्य कारण है. सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में भी इन्हें आगे रखा जाता है.

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए भारत सरकार की क्या नीति है ?

- भारत सरकार माओवादी आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा, विकास एवं स्थानीय समुदायों के अधिकार सुनिश्चित करने शासन और अवरोधन प्रबंधन में सुधार के क्षेत्रों में समग्र दीर्घकालिक नीति में विश्वास रखती हैं.

- केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती के अतिरिक्त अधिकांश सुरक्षा संबंधी उपायों का उद्देश्य राज्य बलों द्वारा क्षमता निर्माण में सहायता करना है.

- विकास के क्षेत्र पर लोक अवसंरचना और सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से देश के सभी माओवाद प्रभावित जिलों को शामिल कर एक एकीकृत कार्य योजना कार्यान्वित की जा रही है।

- इसके अतिरिक्त माओवादी आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए महत्वकांक्षी सड़क विकास योजना की परिकल्पना की गई है। अधिकारियों का एक अधिकार प्राप्त समूह इन योजनाओं की प्रगति की गहन रूप से निगरानी करता है। इसके अलावा वन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन और गौण वन उत्पादों पर स्थानीय समुदाय के अधिकारों को सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

+91 97137-34000 @thenerrativeworld @thenerrativeworld

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

क्या प्रतिबंधित माओवादी आतंकी संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के अन्य आतंकवादी संगठनों और दूसरे देशों से संबंध हैं ?

- सीपीआई (माओवादी) के पूर्वोत्तर के अनेक आतंकी और उग्रवादी संगठनों के साथ संबंध है. मणिपुर के आरपीएफ और पीएलए के साथ इसके संबंध स्पष्ट रूप से सामने भी आए हैं.
- सीपीआई माओवादी के संबंध जिन अन्य आतंकी संगठनों से हैं. उनमें से अधिकांश संगठनों के संबंध भारत विरोधी विदेशी शत्रु ताकतों से भी हैं. सीपीआई (माओवादी) ने जम्मू एवं कश्मीर के आतंकवादी गुटों के साथ भी अपनी एकजुटता व्यक्त की हुई है.
- माओवादियों के यह संबंध भारत राज्य के विरुद्ध उनके स्ट्रैटेजिक यूनाइटेड फ्रंट का एक हिस्सा है. सीपीआई माओवादी का संबंध फिलिपिंस, तुर्की समेत अन्य देशों के माओवादी संगठनों से भी हैं.
- यह संगठन कोआर्डिनेशन कमिटी आफ माओइस्ट पार्टी एंड आर्गेनाइजेशन आफ साउथ एशिया का भी सदस्य हैं जिसमें नेपाली माओवादी भी शामिल हैं. माओवादी आतंकियों और सीमा पार से आतंक के नेटवर्क के बीच व्यापक संबंधों को अनदेखा नहीं किया जा सकता.

THE NARRATIVE

भाग- 14

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी फ्रंटल संगठन क्या है और यह कैसे कार्य करते हैं ?

- फ्रंटल संगठन वास्तव में मूल माओवादी आतंकी संगठन की प्रशाखाएं हैं जो विधिक जिम्मेदारी से बचने के लिए स्वयं के अलग अस्तित्व होने का दावा करते हैं.

- ये फ्रंटल संगठन मूल संगठन का और उसके विचार का प्रचार करते हैं, गलत सूचना फैलाते हैं, भूमिगत आंदोलन के लिए पेशेवर लड़ाकों की भर्तियां करते हैं, माओवादियों के द्वारा किए जाने वाले सशस्त्र विद्रोह के लिए निधि जुटाते हैं, विधिक मामलों में माओवादी कैडर की सहायता करते हैं तथा भूमिगत कैडर को सुरक्षित आवास एवं आश्रय मुहैया कराते हैं.

- फ्रंटल संगठनों के कार्यकर्ता माओवादी आतंकी विचारधारा में अंतर्निहित हिंसा पर बौद्धिक चोला चढ़ाते हैं. आसान शब्दों में समझें तो यह लोग तमाम हिंसक रक्तपात की लीपापोती करते हैं.

- फ्रंटल संगठन के लोग माओवादी आतंकी विचारधारा को ऐसे प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं जिससे वह शहरी श्रोताओं और मीडिया को आकर्षित करे. ऐसे संगठन देश के 20 राज्यों में सक्रिय है.

THE NARRATIVE

भाग- 15

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आतंकवाद से निपटने की राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना कैसे बनी है ?

- माओवादी आतंकवाद से निपटने के राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना केंद्रीय गृहमंत्री के द्वारा अनुमोदित की गई. इसके कार्यान्वयन के लिए राज्यों और अन्य हितधारकों को भेजा गया था.

- सुरक्षा, विकास, स्थानीय समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित करने, लोक अवधारणा प्रबंधन तथा सुशासन के क्षेत्रों में वामपंथी आतंकवाद की समस्या का निराकरण करने के लिए केंद्र सरकार ने एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है.

- राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना को अंतिम रूप देने से पूर्व राज्य सरकारों व सहित सभी हितधारकों से परामर्श किया गया था. राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारको के विचारों एवं टिप्पणियों को राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना में शामिल किया गया था.

THE NARRATIVE

भाग- 16

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आतंकवाद से प्रभावित राज्यों में सुरक्षा बलों की तैनाती का स्तर क्या है ?

- वर्तमान में माओवादी आतंकवाद से प्रभावित राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र बल की 100 से अधिक बटालियन उपस्थित हैं. इसमें कोबरा कमांडो की टीम भी तैनात की गई है.

- आगामी वर्षों में तैनाती के स्तर में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी. सीआरपीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ के जवानों की तैनाती बड़े स्तर पर प्रभावित राज्यों में की गई है.

- इसके अतिरिक्त संबंधित राज्यों ने भी माओवादी आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में अपने पुलिस बल तैनात किए हुए हैं. सरकारों की रणनीति का उद्देश्य माओवादी आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के क्षेत्र में आई रिक्तता का निराकरण करना है.

नक्सल आतंकवाद

द नैरेटिव टीम की एक पड़ताल

माओवादी आतंकवाद के विरुद्ध एक आम नागरिक क्या कर सकता है ?

- प्रतिबंधित माओवादी आतंकी संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) एवं अन्य वामपंथी आतंकी गुटों के द्वारा निर्दोष लोगों पर की जा रही हिंसा व बर्बर अत्याचार हो कि सोशल मीडिया सहित किसी भी उपलब्ध मंच पर निंदा करना.
- कट्टरपंथी एवं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में विफल और पूरी तरह से भारत विरोधी माओवादी विचारधारा के खतरों के बारे में देशवासियों को जानकारी देना.
- भारत राष्ट्र के विरुद्ध माओवादी प्रमुख संगठनों और माओवादी विचारधारा वालों और उनसे सहानुभूति रखने वाले लोगों के द्वारा किए जा रहे हैं प्रचार युद्ध को समझना.
- माओवादी विचारधारा और समझ के सर्वसत्तात्मक तथा दमनकारी स्वरूप के विपरीत हमारे संविधान में निहित जीवन के लोकतांत्रिक तरीकों को लोगों के मन में बिठाना तथा विकसित करना.